दक्षिण अफ्रीका ने भारत को चटाई धूल

27 रन पर दो विकेट से भारत ने दूसरी पारी आगे बढ़ाई थी

शुरुआत से ही दक्षिण अफ्रीकी स्पिनरों ने जाल कस दिया

गुवाहाटी, 26 नवंबर. दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को गुवाहाटी में खेले गये दूसरे टेस्ट के पांचवें दिन भारत को उसकी दूसरी पारी में 140 रन पर समेटकर न सिर्फ मैच बल्कि दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी 2-0 से अपने नाम कर ली।

यह जीत केवल एक सीरीज जीत नहीं, बल्कि भारतीय सरज़मीं पर दक्षिण अफ्रीका का पहला टेस्ट सीरीज विजय अभियान है—एक ऐसी उपलब्धि, जिसका इंतज़ार प्रोटियाज़ टीम दशकों से कर रही थी। साइमन हार्मर की सामर्थ्यपूर्ण ऑफ-स्पिन, केशव महाराज की सटीक लाइन, और दबाव के आगे लगातार ढहती भारतीय बल्लेबाज़ी— इन तीनों ने मिलकर एक ऐसा दिन बनाया, जिसने भारतीय क्रिकेट के लिए साल की सबसे निराशाजनक दास्तानों में एक और अध्याय जोड़ दिया।

भारत ने अपनी दूसरी पारी कल के 27 रन पर दो विकेट से आगे बढ़ाई थी। उम्मीद थी कि पिच के धीमेपन का फायदा उठाते हुए भारतीय बल्लेबाज़ मैच बचाने की दिशा में लंबी साझेदारी करेंगे, लेकिन शुरुआत से ही दक्षिण अफ्रीकी स्पिनरों ने जाल कस दिया। चौथे दिन के अंत में जो दबाव भारतीय बल्लेबाज़ों पर था, वह पांचवें दिन शुरुआती ओवरों में ही और गहरा गया। 24वें ओवर में हार्मर ने कुलदीप यादव को बोल्ड कर तीसरा झटका दिया। अभी भारतीय पारी सम्हल भी नहीं पाई थी कि इसी ओवर की आखिरी गेंद पर ध्रुव जुरेल दो रन बनाकर एडन मार्करम के हाथों कैच आउट हो गए। भारत के मैच बचाने की जो भी कमजोर आशाएं थीं, वे यहीं डगमगाने लगीं इसके बाद भारतीय कप्तान ऋषभ पंत मैदान में उतरे और साई सुदर्शन के साथ पारी को स्थिर करने का प्रयास किया।

> पंत ने शुरुआत आक्रामक रखने की कोशिश की और एक चौका व एक छक्का भी लगाया, लेकिन साइमन हार्मर की तेज़ टर्न लेती गेंदों के आगे वह ज़्यादा देर टिक नहीं सके। 32वें ओवर में पंत 13 रन बनाकर आउट हो गए। उनके आउट होने के साथ ही भारतीय बल्लेबाज़ी का मध्य क्रम पूरी तरह से उजड़ गया। दूसरी ओर साई सुदर्शन ने धैर्य के साथ 138 गेंदें झेलीं, लेकिन 14 रन की बेहद धीमी पारी के बावजूद वे दबाव को कम नहीं कर सके। रवींद्र जडेजा ने आने के बाद क्रीज़ पर उम्मीद जगाई। उन्होंने महाराज की गेंद पर शानदार छक्का लगाकर रनों को आगे बढ़ाया और बाद में अपने अर्धशतक तक पहुंचे। उनकी 54 रन की पारी में चार चौके और दो छक्के शामिल थे, लेकिन बाकी बल्लेबाज़ों के लगातार आउट होते रहने के कारण उनका संघर्ष बेअसर साबित हुआ। जैसे-जैसे ओवर आगे बढ़ते गए, दक्षिण अफ्रीका की पकड़ और मजबूत होती गई। नीतीश रेड्डी को हार्मर ने बिना खाता खोले आउट किया, जिसने भारत को पारी के अंतिम पतन की तरफ धकेल दिया।

140 रन पर पारी का अंत

महाराज ने जडेजा और अगले बल्लेबाज़ को आउट कर 140 रन पर भारतीय पारी का अंत कर दिया। द. अफ्रीका के लिए यह प्रदर्शन केवल गेंदबाज़ी की जीत नहीं थी, बल्कि कप्तान टेम्बा बवुमा की सामरिक समझ और अनुशासित क्रिकेट का भी परिणाम था। जहां पहले टेस्ट में बवुमा की अर्धशतकीय पारी ने टीम को बढ़त दिलाई थी, वहीं दूसरे टेस्ट में मुथुसामी और यानसन की महत्वपूर्ण पारियों ने आगाज़ मज़बूत किया।

गोलोम टिंकू की सुनहरी उड़ान

बीकानेर, 26 नवंबर. अरुणाचल प्रदेश के शांत और दूरदराज बसे कामले जिले के गोडक गाँव से निकलकर देश के वेटलिफ्टिंग मंच पर अपनी पहचान बनाना आसान नहीं था।

लेकिन 19 वर्षीय गोलोम टिंकू ने यह सफर न केवल तय किया, बल्कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में पुरुषों के 60 किग्रा भारवर्ग का स्वर्ण जीतकर यह साबित कर दिया कि कड़ी मेहनत और अनुशासन का कोई विकल्प नहीं होता। मंगलवार को बीकानेर के मुकाबलों में उन्होंने कुल 256 किग्रा—112 किग्रा स्नैच और 144 किग्रा क्लीन एंड जर्क—का प्रदर्शन किया, जो उनकी उम्र के हिसाब से बेहद परिपक्व और प्रभावी माना जा रहा है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के खुम्भेस्वर मलिक को पूरे 33 किग्रा के अंतर से पछाड़ा, जबकि सीटी यूनिवर्सिटी के सचिन 214 किग्रा के साथ तीसरे स्थान पर रहे। यह लीड दर्शाती है कि गोलोम नंबरों और तकनीक दोनों में अपने प्रतिस्पर्धियों से कहीं आगे निकल चुके हैं।लेकिन इस जीत की कहानी महज आंकड़ों तक सीमित नहीं है। इसके पीछे एक लंबा संघर्ष, पारिवारिक जिम्मेदारियाँ और बेहद कठिन परिस्थितियों में प्रशिक्षण जारी रखने की जिद शामिल है। वर्ष 2016 गोलोम के जीवन का सबसे भारी साल था, जब एक दुर्घटना में उनके पिता का निधन हो गया। उसी समय उन्होंने खेलों में अपना सफर शुरू ही किया था। पांच भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर होने के चलते उन पर घर की जिम्मेदारी भी कम नहीं थी।

> कठिनाइयाँ थीं, पर हिम्मत उससे कहीं ज्यादा। गोलोम कहते हैं कि खेलों की ओर उनका झुकाव परिवार की वजह से आया। बहन कराटे खेलती थीं और बड़ा भाई बैडमिंटन। वह सिर्फ उन्हें देखने जाते थे, लेकिन एक दिन एक वेटलिफ्टिंग कोच ने उनसे casually पूछा—क्या तुम वेटलिफ्टिंग करना चाहोगे? इसी एक सवाल ने उनका पूरा जीवन बदल दिया।इसके बाद गोलोम ने तीन साल तक स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नाहरलागुन कैंप में ट्रेनिंग ली। यहां उनकी तकनीक पर ध्यान दिया गया, शरीर-मन की सहनशक्ति विकसित की गई और लगातार मेहनत के जरिए उन्हें प्रतियोगी माहौल में ढाला गया।

एक नजर में

उप्र ने गोवा को छह विकेट से हराया

कोलकाता. गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आर्यन जुयाल (नाबाद 93) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर उत्तर प्रदेश ने बुधवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मुकाबले में गोवा को 10 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में कप्तान करण शर्मा (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बल्लेबाजी करने आये प्रियम गर्ग ने आर्यन जुयान के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 71 रन जोड़े। छठें ओवर में दीपराज गांवकर ने प्रियम गर्ग 14 गेंदों में 28 रन को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। समीर रिजवी ने 26 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 38 रन बनाये। उन्हें 15वें ओवर में दीपराज गांवकर ने आउट किया। रिंकू सिंह चार रन बनाकर आउट हुये। इस दौरान आर्यन जुयाल एक छोर थामे विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए तेजी के साथ रन बनाते रहे। उत्तर प्रदेश ने 18.2 ओवर में चार विकेटपर 173 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से अपने नाम कर लिया।

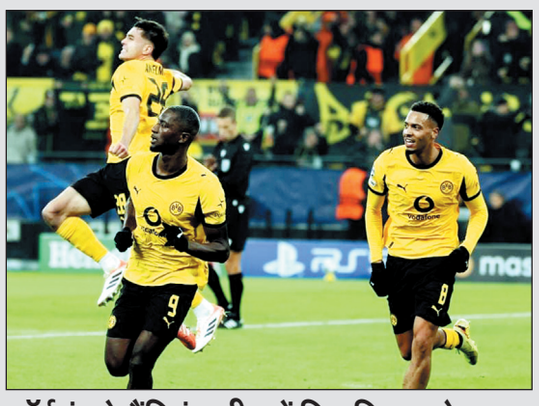

डॉर्टमंड ने चैंपियंस लीग में विलारियल को हराया

बर्लिन. सेरहो गुइरासी के दो गोल की मदद से बोरुसिया डॉर्टमंड ने यूईएफए चैंपियंस लीग में विलारियल को 4-0 से हराया। इसी के साथ डॉर्टमंड अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। मंगलवार को खेले गये मुकाबले में मेजबान टीम डॉर्टमंड ने पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में गुइरासी ने कॉर्नर पर हेडर से गोल करके अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। टर्निंग पॉइंट दूसरे हाफ की शुरुआत में आया, जब विलारियल के डिफेंडर जुआन फोयथ को बॉक्स के अंदर हाथ से गोल की तरफ जा रहे शॉट को रोकने के बाद बाहर भेज दिया गया। इसके बाद गुइरासी ने तेज प्रदर्शन करते हुए रिबाउंड को गोल में बदला और डॉर्टमुंड की बढ़त को दोगुना कर दिया। करीम अदेयेमी ने 58वें मिनट में तीसरा गोल किया। अतिरिक्त समय में डेनियल स्वेन्सन के दमदार हेडर से गोलकर स्कोर को 4-0 कर दिया। मैच के बाद डॉर्टमुंड के कप्तान निको श्लोटरबेक ने कहा, हमें रेड कार्ड का फायदा मिला।

भारत की डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने राह हुई मुश्किल

गुवाहाटी. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली 2-0 की हार ने भारत के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की राह मुश्किल कर दी है और अब डब्ल्यूटीसी चक्र के दूसरे चरण में उन्हें काफी मेहनत करनी होगी। भारत 2025-27 के चक्र में 18 में से नौ टेस्ट खेल चुका है और वह 52 अंकों के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर है।

खिताब का बचाव करने की तैयारी शुरू : सूर्यकुमार

टी-20 विश्वकप में जाना एक बड़ी चुनौती है

टीम का नेतृत्व करने के लिए बहुत उत्साहित हूं : सूर्यकुमार

मुंबई, 26 नवंबर भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को कहा कि वह अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप खिताब का बचाव करने के लिए राष्ट्रीय टीम की अगुवाई को लेकर उत्साहित हैं।

खास कार्यक्रम के दौरान सूर्यकुमार ने कहा, मेरा मतलब है, उस टी-20 विश्वकप में जाना एक बड़ी चुनौती है। मैं इस बार टीम का नेतृत्व करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह बहुत रोमांचक होने वाला है उन्होंने वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी-20 विश्वकप 2024 में भारत की जीत को याद करते हुए कहा, मुझे उस ट्रॉफी को देखकर बहुत मोटिवेशन मिलता है। जब हम वेस्ट इंडीज (2024 इवेंट के को-होस्ट) पहुंचे और हर बार जब हमारा राष्ट्र गान बजाया जाता था तो हमारी नजर इस सिल्वरवेयर पर होती थी। हर बार। क्रिकेटर ने आगे कहा, हमने सोचा है कि जैसे ही हम फाइनल आये,

> हर कोई टी-20 विश्व कप में जाने वाली इस टीम का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्सुक है। मैंने बहुत सारे अनुभव शेयर किए हैं। मैं 2023 में एक शानदार टीम का हिस्सा था, जब हमने भारत में एकदिवसीय विश्व कप खेला था। माहौल बिल्कुल अलग था। उन्होंने कहा, मैंने उनसे कहा है कि यह बिल्कुल अलग गेम है। हां, फैंस वैसे ही होंगे (टर्नआउट में), जैसा आप फ्रेंचाइजी क्रिकेट में देखते हैं, लेकिन जब भारत आता है, जब आप देश के लिए खेलते हैं, तो इसका इमोशन बिल्कुल अलग होता है। इसलिए वे बहुत उत्साहित हैं। हम एक अलग तरह का क्रिकेट खेलने की कोशिश कर रहे हैं।

गुजरात ने सर्विसेज को आठ विकेट से हराया

हैदराबाद 26 नवंबर. कप्तान उर्विल पटेल (नाबाद 119) रनों आतिशी बल्लेबाजी के दम पर गुजरात ने बुधवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में सर्विसेज को 45 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात के लिए आर्य देसाई और कप्तान उर्विल पटेल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 174 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम के जीत की मजबूत नींव रखी।

जोकोविच शीर्ष सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

शीर्ष चार में एक साल पूरा करने वाले खिलाड़ी बने जोकोविच

लंदन 26 नवंबर. सर्बिया के पेशेवर टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच एटीपी रैंकिंग के इतिहास में शीर्ष चार में एक साल पूरा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं 38 साल और पांच महीने की उम्र में सर्बिया महान खिलाड़ी जोकोविच ने एटीपी रैंकिंग में शीर्ष चार में 2025 सीजन का समापन किया।

इसी के साथ उन्होंने एटीपी रैंकिंग के इतिहास में सबसे अधिक टॉप चार फिनिश के लिए रोजर फेडरर और राफेल नडाल को पीछे छोड़ दिया। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन और पूर्व नंबर वन जाकोविच ने वर्ष 2025 का समापन नंबर चार पर किया। जोकोविच ऐसा करने वाले 14 खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने अब यह दूसरी सबसे ज़्यादा बार किया है, कॉनर्स और नडाल को पीछे छोड़ दिया है और केवल फेडरर से पीछे हैं। एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स की 17 नवंबर को जारी रैंकिंग में जोकोविच चौथे स्थान पर थे।

एडन मारक्रम एक टेस्ट मैच में नौ कैच लेने का कारनाम किया

गुवाहाटी 26 नवंबर. एडन मारक्रम ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में क्षेत्ररक्षक के तौर पर एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक नौ कैच लेने का कारनाम किया है, वह ऐसा करने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले खिलाड़ी है। इसके साथ ही उन्होंने अजिंक्या रहाणे के विश्व रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है।दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज मारक्रम ने आज यहां बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में भारत की पहली पारी के दौरान पांच कैच पकड़े। इसके बाद दूसरी पारी में उन्होंने चार कैच लेते हुए अपने कैच की संख्या 9 कर ली। मार्करम से पहले दक्षिण अफ्रीका के लिए एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक कैच लेने का रिकॉर्ड बर्ट वोग्लर के नाम था।

सम्मान 74 सदस्य देशों ने भारत के प्रस्ताव पर मुहर लगाई, शताब्दी संस्करण को मिलेगी भारतीय पहचान

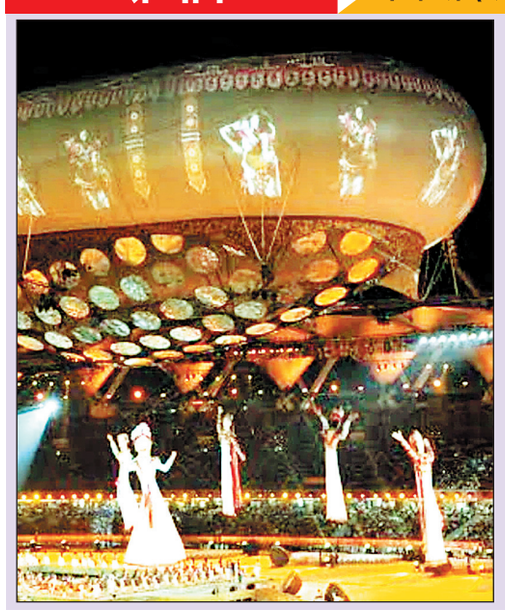

अहमदाबाद बनेगा 2030 कॉमनवेल्थ होस्ट

ग्लासगो, 26 नवंबर। कॉमनवेल्थ खेलों के इतिहास में पहली बार भारत को एक ऐसा सम्मान मिला है जिसने न केवल देश की खेल कूटनीति को नई ऊंचाई दी है, बल्कि एशिया में बहुक्रीखेल आयोजन की संभावनाओं को भी एक बार फिर मजबूत किया है।

वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी के लिए अहमदाबाद के नाम को बुधवार को कॉमनवेल्थ के 74 सदस्य देशों ने आधिकारिक स्वीकृति दे दी। महासभा की बैठक में भारत के प्रस्ताव पर व्यापक सहमति बनने के साथ ही यह निर्णय ऐतिहासिक बन गया, क्योंकि यह संस्करण राष्ट्रमंडल खेलों के 100 वर्षों का प्रतीक भी होगा। ऐसे में इस शताब्दी संस्करण को एक उभरती वैश्विक शक्ति—भारत—की मेज़बानी मिलना एक बड़ा कूटनीतिक और खेल संदर्भ का संकेत माना जा रहा है।

बैठक के दौरान अहमदाबाद के नाम पर अंतिम मुहर लगते ही सभागार में मौजूद प्रतिनिधियों की तालियों से वातावरण गूंज उठा। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने इस अवसर को सांस्कृतिक रंगों से सजाने के लिए गरबा नर्तकों और ढोल वादकों का शानदार प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया, जिसने न केवल भारतीय संस्कृति की जीवंतता दिखाई बल्कि यह भी संकेत दिया कि भारत आगामी संस्करण को सांस्कृतिक और तकनीकी स्तर पर किस ऊंचाई तक ले जाने की तैयारी कर रहा है।

यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब दुनिया भर में बहुक्रीखेल आयोजनों की मेज़बानी की लागत और जटिलताओं पर बहस हो रही है, लेकिन भारत ने अपनी आर्थिक क्षमता, बुनियादी ढांचे और संगठनात्मक कुशलता के दम पर यह विश्वास जीत लिया।

> कॉमनवेल्थ खेलों के अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे ने इस फैसले को कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के लिए स्वर्णिम युग की शुरुआत करार दिया। उनके अनुसार गेम्स रिसेट के बाद संगठन एक नई दिशा में आगे बढ़ने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि भारत न केवल सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि आज वैश्विक खेलों में एक उभरता हुआ दिग्गज भी है, जो युवा ऊर्जा, विशालता, संस्कृति और प्रासंगिकता का अनोखा मिश्रण लाता है।